लखनऊ-उ.प्र.। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के लखनऊ में आगमन पर शहर के विभिन्न ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की संचालिका बहनों ने राज भवन में जाकर ईश्वरीय सौगात व सम्मान-पत्र भेंट कर उनका स्वागत किया तथा शहर में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं से अवगत कराया। इस मौके पर ब्र.कु. राधा बहन,सबजोन इंचार्ज, ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. इंदिरा बहन, ब्र.कु. सुमन बहन, ब्र.कु. मालती बहन, ब्र.कु. चारु बहन, डी.सी. लखा,रिटा. आईएएस, आर.के. अग्रवाल,चेयरमैन,टेक्नो इंस्टीट्यूट, डॉ. भूपेन्द्र भाई व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

शांतिवन-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के संत, राजस्थान सरकार देवस्थान विभाग के संत प्रकोष्ठ सदस्य और सर्वधर्म महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री 1008 भजनाराम महाराज ने संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी से मुलाकात की। इस दौरान दादी ने महाराज को शॉल पहनाकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

रायपुर-छ.ग.। नवनिर्वाचित विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह का पारंपरिक तरीके से तिलक लगाकर व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत व सम्मान करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सविता दीदी।

भिलाई से.7-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग भवन सेवाकेन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, उज्जैन से राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी, इंदौर ज़ोन एवं छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी, इंदौर से राजयोगिनी ब्र.कु. शकुंतला दीदी, मुम्बई से राजयोगिनी ब्र.कु. भावना दीदी तथा अन्य बहनें।

भाटापारा-छ.ग.। नव निर्वाचित विधायक इंद्र साव को बधाई देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात श्रीफल व प्रसाद देते हुए ब्र.कु. मंजू बहन व ब्र.कु. प्रभा बहन।

खोकरला-भंडारा(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग अनुभूति केंद्र पर संस्थान के मेडिकल विंग, आईएमए, आईडीए एवं एनआईएमए के संयुक्त तत्वाधान में 'स्पीरिचुअल हीलिंग तथा वेल बिंग' विषय पर आयोजित कॉन्फ्रेन्स में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. स्वपन गुप्ता, ब्र.कु. शिवलाल भाई तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

इंदौर-न्यू पलासिया(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में महामण्डलेश्वर डॉ. शिव स्वरूपानंद सरस्वती जी महाराज,जोधपुर स्वामी श्याम चैतन्य पुरी जी, ब्र.कु. रेवती बहन, ब्र.कु. नारायण भाई, ब्र.कु. आशा बहन तथा अन्य।

दिल्ली-आर.के. पुरम। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा निवेदिता कुंज में 'सेलिब्रेटिंग लाइफ' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए बायें से शेखर चौधरी,डायरेक्टर,मिनिस्ट्री ऑफ फिनान्स,प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए, प्रभु नारायण,वाइस प्रेसिडेंट आरडब्ल्यूए, विवेक मोहन,डायरेक्टर,आईआरएसएमई,सेक्रेट्री ऑफ आरडब्ल्यूए, ब्र.कु. प्रो. ओंकार चंद,मोटिवेशनल स्पीकर, ब्र.कु. ज्योति बहन,होस्ट,स्थानीय सेवाकेन्द्र, तुलसी जोशी,एक्स काउंसलर,सोशल एक्टिविस्ट,ब्यूरो चीफ पोल.अफेयर्स, धर्मवीर सिंह,काउंसलर, सुनील कुमार,डायरेक्टर,सेंट्रल वॉटर कमिशन तथा ब्र.कु. अनीता बहन,संयोजिका,स्थानीय सेवाकेन्द्र।

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

समय हमारा व्यर्थ न जाये... पर सफल कैसे हो...!!!

पुरूषार्थी जीवन में अगर वो लक्ष्य हमारे सामने है ये हमें ऐसे सम्पूर्ण निर्विकारी देवता बनना है तो हम वहाँ पहुंच पायेंगे। यदि आँख इधर-उधर गई तो फिर वो टाइम हमारा खिसक जाता। और जब कोई ऐसी साइड सीन आती चाहे वो किसी के प्रति कुछ लगाव की बात हो, जिस कारण से हम उन्हों का आधार लेने चाहते, सहारा लेने चाहते। चाहे किसी के प्रति मन में ग्लानि की बात आती, जिस कारण से कुछ टक्कर होता रहता। चाहे कुछ भी हो, परन्तु मतलब ये है कि हमारा समय, संकल्प, शक्ति बिल्कुल वेस्ट चली जाती। जहाँ-जहाँ हाईवे होता वहाँ-वहाँ आप जानते हैं कि यदि एक टर्न मिस हो जाता है बायचांस तो कितना लम्बा चलना पड़ता है। कभी-कभी18 किलोमीटर्स, 20 किलोमीटर्स फिर ही वापस लौट सकते हैं। तब हम सोचते हैं कि हाय हमारा कितना टाइम चला गया। पेट्रोल कितना एक्स्ट्रा खत्म हो गया परन्तु समय पर हम अपने कारोबार के लिए या जो कुछ भी कार्य है हम उस पर नहीं पहुंच पाते। राइट?

तो यदि कोई भी कारण से हमारा ध्यान कहीं ओर चला गया, हमारा समय, हमारी शक्ति जो वेस्ट होती तो हमें एक्स्ट्रा पुरूषार्थ करना पड़ता है। तो ये हम ध्यान रखें कि कोई बात के कारण या किसी के प्रभाव के कारण या चाहे किसी की नफरत के कारण हम अपनी दृष्टि जिस लक्ष्य को बाबा ने दिया है और हम चाहते हैं हम वहाँ पहुंचे, हम उससे कभी हिल न पायें। तो बाबा की मदद भी रहेगी और बाबा की मदद के साथ-साथ हम अपनी हिम्मत से चलते रहेंगे। बाबा गैरन्टी देता कि हाँ अब ज़रूर पहुंच पायेंगे। मैंने देखा है कि सर्वोत्तम पुरूषार्थ में एक बहुत सच्चाई चाहिए। जब हम ज्ञान मार्ग में आते हैं तो हमें खुद की पहचान नहीं होती, और ये हम नहीं कहते हैं कि आत्मा ज्योति स्वरूप है, बस मैं बिन्दु हूँ और उसमें सबकुछ आ गया। बाबा खुद ही कहते कि ये तो कुदरत है- आत्मा बिन्दु और बिन्दु आत्मा में 84 जन्मों का हिसाब समाया हुआ है। ये तो कितनी गहरी बात है। और इसको अच्छी तरह से जानना समझना तब होता जबकि हम खुद को समय देवें।

ज्ञान मार्ग में आते हैं तो ज्ञान तो बहुत इंट्रस्टिंग लगता, मैं अपना अनुभव कहती हूँ, क्यों, क्योंकि जो भी मन में प्रश्न होते हैं बाबा के बहुत ही क्लीयर उत्तर मिलते जाते हैं। शास्त्रवाद से पूछो किसी बात का तो वो तो कहेंगे कि जो परम्परा से चला है उसी को ही मानो। क्रिश्चयन धर्म वालों से पूछो कोई प्रश्न तो उन्हों का शब्द आता कि ये तो मिस्ट्री है। मनुष्य के बुद्धि से समझने के बाहर है। आत्मा के लिए ये बाइबल में शब्द लिखे हुए हैं कि मनुष्य की बुद्धि आत्मा को समझ नहीं सकती। तो सही बात है द्वापर में तो वही बात थी। परंतु जब भगवान आकर हमें बताते हैं हर प्रकार से कि आत्मा क्या है, आत्मा के अन्दर क्या है तो फिर तो हम कहेंगे कि हाँ हम समझ गये। परंतु फिर भी खुद को जानना मेरे अन्दर ओरिज़नल संस्कार जो आदि संस्कार हैं शांति, प्रेम, सत्यता, खुशी, और पवित्रता तो ये पाँच आत्मा के आदि गुण अथवा संस्कार। और जैसे हम उनसे दूर होते गये मन में क्या असर हुआ, शब्दों में क्या असर हुआ, चक्र को देखते चलो।

सतोप्रधानता से हम सतो तक पहुंचे, फिर तो रजोप्रधान बन गये, मिक्सचर शुरू हो गई। और फिर तब से हम नहीं चाहते थे कि कोई मेरे मन के संकल्पों को देख सके। कलियुग में तो बिल्कुल कचरे का संकल्प परंतु द्वापर में भी दुविधा कभी अच्छा, कभी इतना अच्छा नहीं, मिक्सचर चलता रहा। और हम अपने वो आदि संस्कारों को भूल कितना और ऊपर मैल चढ़ता गया। तो कितना हमारे ऊपर मैल है ये भी कई बार हम अच्छी तरह से नहीं समझ पाते। कभी-कभी बाबा कहते हैं कि स्वप्न भी ऐसे हों, जिसमें कोई प्रकार की अशुद्धि न हो, स्वप्न ऐसे हों जिसमें बाबा आयें। परंतु उससे भी और आगे आप अनेक आत्माओं को जागृत करने के लिए उन्हों के स्वप्नों में आकर उन्हों को बाबा की तरफ का इशारा दो। स्वप्नों की भी स्टेजेस होती, स्वप्नों का कनेक्शन है टोटली मन के साथ और संस्कारों के साथ। जो दिनभर अपना कर्त्तव्य होता, उसका जो प्रोसेसिंग चलता है वो रात्रि भर चलता। तो कहने का मतलब है कि बाबा क्यों कहते हैं कि आपके संकल्प में भी कोई और ऐसी बात न हो क्योंकि संकल्पों से भी पहचान होती है कि हम कहाँ तक पहुंचे हैं। दिनभर तो अपनी चेकिंग करें कि हमारे संकल्प किस प्रकार के हैं और जितनी चेकिंग उतना परिवर्तन और उस परिवर्तन के आधार से हम अपने लक्ष्य पर पहुंच सकेंगे। तो ये जो फर्क पड़ जाता है कि मन में कुछ और बात होती और बोलते फिर कुछ और हैं, और करते कुछ और हैं। अनुभव है ना सभी को इस बात का?

मन में जो कुछ चल रहा होगा वो छिपाते रहेंगे, शब्दों में बड़ी शानदार भाषा से बोलते रहेंगे। और आजकल तो बोलने की भी ट्रेनिंग दी गई है। तो फिर तो वो बहुत होशियार स्पीकर बन जाते। परंतु उन्हों के मन की गति क्या है, उन्हों के मन की शुद्धि क्या है दोनों बातों में महान अन्तर है। या ये भी सोचें कि कभी मुख से कुछ ऐसे अनुचित शब्द निकलते तो उस समय मैं सोचती हूँ कि संकल्प कितने व्यर्थ चले होंगे। जिस कारण से मुख से ये शब्द निकल रहे हैं। मानो कि बैठ के कोई ग्लानि करता उसका मतलब उसने उस बात पर इतना विचार किया हुआ होगा लम्बे समय तक, जो आज उसके मुख से ये बातें निकल रही हैं। तो माइंड कहाँ गया, क्या हो रहा तो बाबा ने हमें बहुत डिटेल में समझाया है। तो खुद से पहले हम सच्चे बनें, और निरहंकारी होकर नम्रता से इस बात को समझें कि हमारे अन्दर के किस प्रकार के संस्कार अभी हैं जिन्हों को हमें अभी साफ करना होगा।

सर्वोत्तम पुरूषार्थ में एक बहुत सच्चाई चाहिए। जब हम ज्ञान मार्ग में आते हैं तो हमें खुद की पहचान नहीं होती, और ये हम नहीं कहते हैं कि आत्मा ज्योति स्वरूप है, बस मैं बिन्दु हूँ और उसमें सबकुछ आ गया।

नेपाल-बासबारी(विराटनगर)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर 'सकारात्मक परिवर्तन 2023' थीम के अंतर्गत आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राजयोगी ब्र.कु. भगवान भाई,माउण्ट आबू, बूढ़ीगंगा नगरपालिका के नगराध्यक्ष जीत नारायण थापा, बूढ़ीगंगा नगरपालिका की उप नगराध्यक्ष अमृता गच्छदार, समाजसेवी भुवनेश्वर मंडल, सशस्त्र प्रहरी बल कंदालिनी जी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सत्यभावना बहन, ब्र.कु. तुलसी भाई, ब्र.कु. ब्रजबाला बहन, डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर राजू थापा सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए।

सूरत-सारथना(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'जल जन अभियान' के उद्घाटन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए प्रमुख श्री सौराष्ट्र जलधारा ट्रस्ट मथुर भाई सवानी, लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट गवर्नर दीपक भाई, चीफ कंज़र्वेटर ऑफ फॉरेस्ट शशि कुमार, निवृत्ति दिन एवं आचार्य नवसारी कृषि यूनिवर्सिटी डॉ. रमेश भाई पटेल, डायरेक्टर एम्स हॉस्पिटल डॉ. संजय, मेडिकल सुपरिटेंडेंट वृद्धम हॉस्पिटल डॉ. जय, लोक दृष्टि चक्षु बैंक डॉ. प्रफुल्ल शिरोया, ब्रह्माकुमारीज़ उप क्षेत्रीय संचालिका नडियाद सबज़ोन ब्र.कु. पूर्णिमा बहन, सूरत वराछा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तृप्ति बहन तथा अन्य गणमान्य लोग।